title: अध्याय 5 - लोकतंत्र के परिणाम
draft: false
parent: social-science-civics
weight: 5

2. लोकतंत्र और असमानता में कमी

मुख्य अवधारणाएँ

- **गरीबी उन्मूलन**: लोकतांत्रिक सरकारें नागरिकों के प्रति जवाबदेह होती हैं, जो गरीबी विरोधी कार्यक्रमों को बढ़ावा देती हैं।
- **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा**: जनता की मांग शिक्षा और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश को प्रेरित करती है।
- **सामाजिक सुरक्षा जाल**: कल्याण योजनाएँ, सब्सिडी और सार्वजनिक सेवाएँ जैसी नीतियाँ असमानता को कम करती हैं।

विस्तृत नोट्स

- **गरीबी में कमी**:
- **उदाहरण**: भारत का **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (NREGA)** ग्रामीण गरीबों को रोजगार प्रदान करता है।
- **तंत्र**: चुनाव नेता गरीबी को संबोधित करने के लिए जन समर्थन प्राप्त करने को प्रोत्साहित करते हैं।
- **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा**:
- **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009)**: 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करता है।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम**: जैसे **आयुष्मान भारत** (गरीब परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा)।
- **चुनौतियाँ**:
- क्षेत्रीय असमानताओं और कार्यान्वयन की कमी के कारण असमानता बनी रहती है।
- **परीक्षा टिप**: असमानता में कमी के लिए **जनमांग** को **नीतिगत परिणामों** से जोड़ें।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **एनसीईआरटी मुख्यांश**: लोकतंत्र **जन भागीदारी** और **पारदर्शिता** के माध्यम से असमानता कम करते हैं।
- **उदाहरण**: लोकतांत्रिक शासन के माध्यम से **राजस्थान** ने महिला साक्षरता में कमी लाने में सफलता प्राप्त की।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

3. लोकतंत्र और राजनीतिक समानता

मुख्य अवधारणाएँ

- **सार्वभौमिक मताधिकार**: सभी वयस्क नागरिकों को समान मतदान अधिकार।
- **प्रतिनिधित्व**: राजनीतिक दल सुनिश्चित करते हैं कि विविध समूहों को शासन में प्रतिनिधित्व मिले।
- **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार**: लोकतंत्र की आधारशिला, सभी वयस्कों को मतदान का अधिकार प्रदान करता है।

विस्तृत नोट्स

- **सार्वभौमिक मताधिकार**:
- **परिभाषा**: प्रत्येक वयस्क नागरिक, चाहे धन, जाति या धर्म का हो, उसे मतदान का अधिकार है।
- **उदाहरण**: भारत के **1950 के संविधान** ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार स्थापित किया।
- **राजनीतिक प्रतिनिधित्व**:
- **तंत्र**: विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं।
- **उदाहरण**: **महिला आरक्षण विधेयक (1993)** का उद्देश्य संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना था।
- **चुनौतियाँ**:
- मतदाता उदासीनता, जाति आधारित वोट बैंक और राजनीतिक भ्रष्टाचार समानता को कमजोर कर सकते हैं।
- **परीक्षा टिप**: राजनीतिक समानता के **सिद्धांत** और इसकी **व्यावहारिक चुनौतियों** पर ध्यान केंद्रित करें।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **एनसीईआरटी मुख्यांश**: **राजनीतिक समानता** निर्णय लेने में **निष्पक्ष भागीदारी** सुनिश्चित करती है।
- **सूत्र/अवधारणा**: **एक व्यक्ति, एक वोट** राजनीतिक समानता का **मौलिक सिद्धांत** है।

4. लोकतंत्र और सामाजिक न्याय

मुख्य अवधारणाएँ

- **वंचित समूह**: दलित, महिलाएँ, अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदाय।
- **कानूनी सुरक्षा**: संवैधानिक संरक्षण और सकारात्मक कार्यवाही नीतियाँ।
- **नागरिक समाज की भूमिका**: गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) और कार्यकर्ता सामाजिक न्याय के लिए प्रयास करते हैं।

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

विस्तृत नोट्स

- **कानूनी सुरक्षा**:
- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14**: कानून के समक्ष समानता।
- **अनुसूचित जाति और जनजाति अधिनियम (1989)**: वंचित समूहों के लिए सामाजिक और आर्थिक अधिकार सुनिश्चित करता है।
- **सकारात्मक कार्यवाही**:
- **शिक्षा/रोजगार में आरक्षण**: जैसे **अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए 15% आरक्षण**।
- **नागरिक समाज की भूमिका**:
- **उदाहरण**: **दलित पैंथर आंदोलन (1970)** ने विरोध और जागरूकता अभियानों के माध्यम से दलित अधिकारों के लिए संघर्ष किया।
- **चुनौतियाँ**:
- व्यवस्थागत भेदभाव और कार्यान्वयन अंतराल बने रहते हैं।
- **परीक्षा टिप**: सामाजिक न्याय प्राप्ति में **कानून और सक्रियता की भूमिका** को उजागर करें।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **एनसीईआरटी मुख्यांश**: लोकतंत्र **कानूनी ढांचे** और **जन दबाव** के माध्यम से सामाजिक न्याय को सक्षम करते हैं।
- **उदाहरण**: **पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व** (73वां संशोधन, 1992)।

5. लोकतंत्र और स्वतंत्रता का अधिकार

मुख्य अवधारणाएँ

- **नागरिक स्वतंत्रताएँ**: भाषण, प्रेस, सभा और संगठन की स्वतंत्रता।
- **अधिकारों का संतुलन**: स्वतंत्रता बनाम सुरक्षा (जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम व्यक्तिगत अधिकार)।
- **कानूनी सुरक्षा**: संवैधानिक प्रावधान इन स्वतंत्रताओं की रक्षा करते हैं।

विस्तृत नोट्स

- **भाषण और प्रेस की स्वतंत्रता**:
- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19**: भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।
- **उदाहरण**: **मुद्रण मीडिया** और **डिजिटल मीडिया** सार्वजनिक विमर्श के मंच।
- **संगठन बनाने की स्वतंत्रता**:
- **संघ बनाने और विरोध करने का अधिकार**, कानूनी सीमाओं के अधीन।
- **उदाहरण**: **लाल बहादुर शास्त्री** का 1960 के दशक में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में योगदान।
- **चुनौतियाँ**:
- **सेंसरशिप**: आपातकाल के दौरान सरकारें स्वतंत्रताओं को प्रतिबंधित कर सकती हैं (जैसे **राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम**)।
- **परीक्षा टिप**: लोकतंत्रों में **स्वतंत्रता और सुरक्षा के बीच संतुलन** पर चर्चा करें।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

महत्वपूर्ण बिंदु

- **एनसीईआरटी मुख्यांश**: **स्वतंत्रता** एक **मौलिक अधिकार** है लेकिन **पूर्ण नहीं**।
- **सूत्र/अवधारणा**: **अनुच्छेद 19** नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए **मुख्य संवैधानिक प्रावधान** है।

परीक्षा युक्तियाँ

1. **तुलना पर ध्यान दें**: आर्थिक विकास, असमानता और सामाजिक न्याय में लोकतंत्र बनाम गैर-लोकतंत्रों का विरोधाभास।
2. **उदाहरणों का उपयोग करें**: भारत के संविधान, NREGA, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और दलित आंदोलनों से अवधारणाओं को संबंधित करें।
3. **मुख्य शब्दों पर प्रकाश डालें**: उत्तरों में **सार्वभौमिक मताधिकार**, **सकारात्मक कार्यवाही** और **अनुच्छेद 19** पर जोर दें।
4. **आरेखों का अभ्यास करें**: यदि आवश्यक हो तो लोकतंत्र बनाम गैर-लोकतंत्रों में आर्थिक विकास की तुलना करने वाला **ग्राफ** बनाएँ।
5. **केस स्टडी को संशोधित करें**: **दक्षिण कोरिया का परिवर्तन** और **राजस्थान की महिला साक्षरता** जैसे उदाहरण याद करें।

नोट: सभी सामग्री एनसीईआरटी कक्षा 10 सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान) पाठ्यक्रम के अनुरूप है।

{}

निम्नलिखित में से कौन सा आर्थिक परिणामों के संदर्भ में गैर-लोकतंत्रों पर लोकतंत्रों का एक प्रमुख लाभ है?

1. [x] असमानता में बेहतर कमी
2. [ ] तेज प्रारंभिक आर्थिक विकास
3. [ ] भ्रष्टाचार के उच्च स्तर
4. [ ] अभिजात वर्ग के हितों पर अधिक ध्यान

भारत में कौन सा संवैधानिक प्रावधान 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करता है?

1. [ ] अनुच्छेद 14
2. [x] शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009)
3. [ ] अनुच्छेद 19
4. [ ] 73वां संशोधन

© 2023-2025 Copyright SATHEE

लोकतंत्र में राजनीतिक समानता का मौलिक सिद्धांत क्या है?

1. [ ] एक पार्टी, एक वोट
2. [ ] एक व्यक्ति, एक वोट
3. [ ] एक नेता, एक वोट
4. [ ] एक राज्य, एक वोट

भारत में कौन सा कानूनी सुरक्षा उपाय सभी नागरिकों के लिए कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करता है?

1. [ ] 73वां संशोधन
2. [ ] शिक्षा का अधिकार अधिनियम
3. [x] भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14
4. [ ] अनुसूचित जाति और जनजाति अधिनियम

भारत में सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए सकारात्मत कार्यवाही का निम्नलिखित में से कौन सा उदाहरण है?

1. [ ] राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
2. [ ] शिक्षा का अधिकार अधिनियम
3. [x] अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 15% आरक्षण
4. [ ] राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम

एनसीईआरटी द्वारा किस कारक को इस बात के रूप में उजागर किया गया है कि लोकतंत्र असमानता को कम करने में बेहतर क्यों हैं?

1. [ ] आर्थिक विकास पर अधिक ध्यान
2. [x] अधिक जनता की भागीदारी और पारदर्शिता
3. [ ] राजनीतिक भ्रष्टाचार के उच्च स्तर
4. [ ] नागरिक समाज की भूमिका में कमी

आर्थिक विकास प्राप्त करने में लोकतंत्रों को किस चुनौती का सामना करना पड़ता है?

1. [ ] सुधारों की जनता मांग की कमी
2. [x] राजनीतिक सहमति निर्माण के कारण धीमी वृद्धि
3. [ ] अभिजात वर्ग के हितों पर बढ़ा ध्यान
4. [ ] संस्थानों की भूमिका में कमी

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत में कौन सा आंदोलन वंचित समूहों के लिए सामाजिक न्याय कार्यकर्ता का उदाहरण है?

1. [ ] शिक्षा के अधिकार आंदोलन
2. [x] दलित पैंथर आंदोलन
3. [ ] महिला आरक्षण विधेयक आंदोलन
4. [ ] राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम आंदोलन

भारत में संवैधानिक अनुच्छेद कौन सा भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है?

1. [ ] अनुच्छेद 14
2. [x] अनुच्छेद 19
3. [ ] अनुच्छेद 21
4. [ ] अनुच्छेद 32

निम्नलिखित में से कौन सा लोकतंत्रों में राजनैतिक समानता के लिए एक प्रमुख चुनौती है?

1. [ ] मतदाता भागीदारी में वृद्धि
2. [x] मतदाता उदासीनता और जाति आधारित वोट बैंक
3. [ ] नागरिक समाज की भूमिका में कमी
4. [ ] उच्च स्तर का आर्थिक विकास {}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE